कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

# जागृति

वर्ष:67 अंक-3 मुम्बई फरवरी 2023

## राष्ट्र को नमन

## कच्छ के रण में खादी का जलवा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

# जागृति

वर्ष:67 अंक-3 मुम्बई फरवरी 2023

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका



## सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

कलाकार
दिलीप पालकर

उप संपादक
सुबोध कुमार



प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in



आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों


Khadi India

## इस अंक में.....


समाचार सार .....03-35

कच्छ के रण में खादी का जलवा .....3

खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए .....6

उग्रवाद का रास्ता छोड़ चुके लोगों को केवीआईसी द्वारा आर्थिक .....8

खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रम के विकास एवं विस्तार पर चर्चा हेतु खादी-संवाद.....10

मधुमक्खी पालन मीठी क्रांति का माध्यम है.....11

एमएसएमई मंत्री ने गोवा एमएसएमई अधिवेशन को संबोधित किया.....12

केवीआईसी के अध्यक्ष ने मुर्शिदाबाद में खादी संस्थानों की समीक्षा की.....13

केवीआईसी की पहल - अध्यक्ष ने कर्नाटक के मलावल्ली में 300 मधुमक्खी-.....14

शहद मिशन कार्यक्रम की आरई-एचएबी परियोजना के माध्यम से केवीआईसी.....15

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा जीवंत मधुमक्खी कालोनियों, मधुमक्खी पालन .....16

केवीआईसी के अध्यक्ष ने हुबली में पीएमईजीपी के तहत 5046 लाभार्थियों .....17

पीएमईजीपी योजना के तहत 3223 लाभार्थियों के बीच 100.29 करोड़ रुपये .....18

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कैबिनेट मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के .....19

आयोग के मुंबई मुख्यालय में खादी उत्सव 2023 का उद्घाटन .....20

कच्छ के रण में फहराया हमारे देश का गौरव, खादी से बना हमारा राष्ट्रीय ध्वज.....23

पश्चिम बंगाल की खादी संस्थाओं के साथ खादी संवाद .....26

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा पश्चिम बंगाल के खादी संस्थानों का दौरा .....27

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा प्रदर्शिनी में प्रदर्शित उत्पादों का.....27

एमएसएमई मंत्री ने पूर्वोत्तर में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका .....28

राष्ट्र के 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, केवीआईसी के अध्यक्ष .....30

केवीआईसी के अध्यक्ष ने बारपेटा में अनोवर बारबेट उद्योग का दौरा.....32

खादी इंडिया ने गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लिया.....33

पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के सतत विकास पर .....34

प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी के बक्से, उपकरण और मधुमक्खी कालोनियों का वितरण....35

मीडिया कवरेज.....36

# कच्छ के रण में खादी का जलवा

## कच्छ के सफेद रण में आयोजित शानदार 'खादी फैशन शो' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र के लिए खादी' और 'फैशन के लिए खादी' की सोच को साकार करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 29 जनवरी, 2023 को 'कच्छ के रण' में साल्ट-पैन (समुद्र का किनारा, जहां नमक बनाया जाता है) की सफेद जमीन पर एक रोमांचक मेगा 'खादी फैशन शो' का आयोजन किया गया।

कच्छ के रण में आयोजित यह मेगा कार्यक्रम केवीआईसी का इस तरह का पहला आयोजन था। इसका उद्देश्य खादी को देश-विदेश के बाजार में युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाना और सांस्कृतिक विरासत व कला को बढ़ावा देना था।

इसका आयोजन केवीआईसी के 'खादी के लिए उत्कृष्टता केंद्र' के प्रयासों से किया गया था। इस केंद्र का उद्देश्य खादी के नए आयाम स्थापित करना, खादी वस्त्र-परिधान के उत्कृष्ट डिजाइन को और अधिक बढ़ावा देना, खादी फैशन के प्रचार के लिए सहायक उपकरण को प्रोत्साहन देना और पूरे विश्व में खादी को एक ब्रांड के रूप में बढ़ावा देना है।

# कच्छ के रण में खादी का जलवा

गुजरात के गांधीनगर स्थित निफ्ट के छात्रों ने इस खादी फैशन कार्यक्रम में फैशन कैटवॉक करके इस आयोजन को और अधिक मनमोहन बनाया। इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने बताया कि आयोग ने पहली बार 'कच्छ के रण' में इस तरह का एक रोमांचक खादी मेगा फैशन शो आयोजित किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह 'खादी' के ब्रांड प्रचार का माध्यम बनेगा और खादी प्रेमियों के बीच नए डिजाइनों का प्रचार-प्रसार करेगा। इसके अलावा यह विकसित भारत के संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों में प्रेरणा स्रोत बनेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को आगे बढ़ाएगा। इस रण शो को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक उपस्थित थे। इस अवसर पर लोकगायक श्री बोरेलाल ने स्थानीय लोगों के बीच प्रसिद्ध लोकगीतों को प्रस्तुत किया, जिसने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

# कच्छ के रण में खादी का जलवा

पहली बार 'कच्छ के रण' में इस तरह का एक रोमांचक खादी मेगा फैशन शो, 'खादी' के ब्रांड प्रचार और खादी प्रेमियों के बीच नए डिजाइनों का प्रचार-प्रसार करेगा। इसके अलावा यह विकसित भारत के संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों में प्रेरणा स्रोत बनेगा और 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच को आगे बढ़ाएगा।

कच्छ में अपने ऊर्जावान काम के साथ
अत्यधिक प्रतिभाशाली कलाकारों और कारीगरों ने
खादी के साथ भारतीय संस्कृति और विरासत को कायम रखा।

# खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए पहाड़ी एवं सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है - श्री मनोज कुमार

देश के पूर्वोत्तर इलाकों में शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में 9 जनवरी, 2023 को आयोजित समारोह में कई कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इसके साथ-साथ स्फूर्ति योजना के तहत पश्चिम त्रिपुरा बांस चटाई क्लस्टर और नए केवीआईसी भवन का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग-केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि हमारी प्राथमिकता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों तथा योजनाओं के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित करना है। प्रधानमंत्री के स्वप्न को साकार करने के लिए हमें अपना पूरा योगदान देना होगा, ताकि इस क्षेत्र से जुड़े अधिक से अधिक कारीगर, सूत कातने वाले लोग और बुनकर आदि सम्मान के साथ अपना पारिश्रमिक अर्जित कर सकें।

इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री भी मौजूद थे। केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने उनकी गरिमामयी उपस्थिति में अगरतला में विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग इस क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से शुरू किए गए केवीआई कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, ताकि खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों को जमीनी स्तर की तुलना में पहाड़ी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

केवीआईसी अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री पिछले 8 वर्षों से खादी को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने खादी को पुनः प्रचलित करने को प्राथमिकता दी है और वे 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन एंड खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' के आदर्श वाक्य के साथ 'खादी' को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा रहे हैं। श्री मनोज कुमार ने बताया कि भारत सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र में पीएमईजीपी के तहत दी जाने वाली मार्जिन मनी सब्सिडी के लिए अधिकतम परियोजना लागत को 25

लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया है, जिससे पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं को लागू करना आसान हो गया है।

केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2021-22 में खादी और ग्रामोद्योग की बिक्री एक लाख 15 हजार करोड़ रुपये को पार कर गई है। इसी साल 2 अक्टूबर को दिल्ली के खादी भवन में एक दिन में सबसे ज्यादा 1 करोड़ 36 लाख रुपए की रिकॉर्ड बिक्री हुई थी और नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 14 नवंबर से आयोजित हुए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान खादी पवेलियन ने 200 से अधिक स्टालों के माध्यम से 12 करोड़ रुपये की बिक्री की थी। केवीआईसी अध्यक्ष ने बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश में अब तक का पहला प्रमुख कार्यक्रम 'हनी मिशन' शुरू किया है, जिसका उद्देश्य शहद का उत्पादन बढ़ाना, पर्यावरण की रक्षा करना और ग्रामीण जनता, जिनमें ज्यादातर किसान, महिलाएं, आदिवासी तथा बेरोजगार युवा आदि शामिल हैं, उनको स्थायी रोजगार प्रदान करना है। इसी तरह से 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' कार्यक्रम भी शुरू किया गया है। इसके अलावा, अनुपयोगी तथा बंजर जमीन पर बांस के पौधे लगाने के उद्देश्य से एक और योजना भी शुरू की गई है, जो अगरबत्ती, फर्नीचर और कलात्मक हस्तकला के उत्पाद बनाने के लिए कच्चे माल का प्रमुख स्रोत है।

पिछले 3 वर्षों में 346 खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड बनाए गए हैं, मधुमक्खी पालन हेतु 15710 मधुमक्खी कालोनियों का वितरण किया गया, 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के तहत 1020 कुम्हारों को इलेक्ट्रॉनिक पॉटर चाक वितरित किए गए और पीएमईजीपी योजना के तहत करीब 23,00 इकाइयों को लगभग 467 करोड़ की सब्सिडी स्वीकृत तथा वितरित की गई, इनमें 1,83,616 लोग कार्यरत थे। इस बीच, पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2021-22 के दौरान खादी का उत्पादन 13 करोड़ 11 लाख रुपये और बिक्री 15 करोड़ 55 लाख रुपये हुई, जिससे क्षेत्र के 5,827 लोगों को रोजगार मिला है।

# उग्रवाद का रास्ता छोड़ चुके लोगों को केवीआईसी द्वारा आर्थिक आत्मनिर्भरता का आश्वासन

## केवीआईसी द्वारा योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से आर्थिक आत्मनिर्भरता का आश्वासन

15 जनवरी 2023: खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार, जो पूर्वोत्तर राज्यों में खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों जैसे विकासात्मक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में तेजी लाने और बढ़ावा देने के लिए असम और त्रिपुरा के एक सप्ताह के दौरे पर हैं, ने 12 जनवरी, 2023 को, तमुलपुर आंचलिक ग्रामदान संघ, कुमारिकाता, असम के खादी ग्रामोद्योग विद्यालय का दौरा किया। उन्होंने, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के 26 बुनाई और कताई प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की, जो कभी दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (DNLA), यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (UPLA) के भूमिगत युद्धविराम उग्रवादी और दीमा हसाओ, कार्बी आंगलोंग और विश्वनाथ चराली के उग्रवादी समूहों और कार्बी लोंगरी (पीडीसीके) की पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल के भूमिगत

**केवीआईसी के अध्यक्ष ने कताई और बुनाई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लोगों के साथ बातचीत की, जिन्होंने उग्रवाद का रास्ता छोड़ दिया है**

उग्रवादी रहे थे। बोडो प्रादेशिक क्षेत्र में इन पहलों की घोषणा मई, 2022 में अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई थी।

अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने प्रशिक्षण प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम के समापन समारोह की भी शोभा बढ़ाई। प्रशिक्षार्थियों को व्यक्तिगत रूप से असम सरकार की ओर से स्वरोजगार योजना के तहत प्रत्येक को 4,00,000.00 (रुपये चार लाख मात्र) की राशि भी दी गई।

13 जनवरी, 2023 को, केवीआईसी के अध्यक्ष ने बारपेटा जिले में प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इकाइयों का भी दौरा किया और उद्यमियों को अपनी इकाइयों को आधुनिक सुविधाओं के साथ क्लस्टर में बदलने में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके अलावा, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने भी सूक्ष्म और लघु उद्यमों की स्थापना में खादी और ग्रामोद्योग आयोग से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया, जो रोजगार बढ़ाएगा और उत्तर पूर्व क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को पूरा करेगा, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग परिवार के लिए प्राथमिकता है। उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रूपनगर, गुवाहाटी के विभागीय प्रशिक्षण केंद्र (एमडीटीसी) का भी दौरा किया।

केवीआईसी पूरे देश में खादी और ग्रामोद्योग योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू कर रहा है एवं इसने पूरे भारत में 167.60 लाख लोगों के लिए रोजगार सृजित किया है। प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के माध्यम से, जो एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसके लिए केवीआईसी राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है, वर्ष 2022-23 के दौरान, केवीआईसी ने पूरे भारत में अब तक 3,76,720 लोगों के लिए रोजगार सृजित किया है। जिनमें से 25,824 लोग, उत्तर पूर्वी क्षेत्र से हैं और इनमें 10,328 लोग असम से हैं, जिनके द्वारा भारत में 47090 इकाइयाँ, उत्तर पूर्वी क्षेत्र में 3228 और असम राज्य में 1291 इकाइयाँ स्थापित की गई हैं। भारत सरकार ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र को 82.47 करोड़ रुपये और असम में 29.71 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी प्रदान की है।

केवीआईसी देश भर में क्लस्टर विकास कार्यक्रम (स्फूर्ति), रेंटी, हनी मिशन और रि-हैब, कुंभार सशक्तिकरण कार्यक्रम (कुम्हारी विकास) भी लागू कर रहा है।

# खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रम के विकास एवं विस्तार पर चर्चा हेतु खादी-संवाद

04 जनवरी 2023: खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार द्वारा उत्तर प्रदेश और हरियाणा राज्यों के 150 से अधिक खादी संस्थानों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक 'खादी-संवाद' (खादी पर संवाद) का आयोजन किया गया। नववर्ष के अवसर पर आयोजित इस खादी-संवाद में खादी एवं ग्रामोद्योग कार्यक्रम के विकास एवं विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। मुद्दों में खादी यार्न कताई के लिए कच्चे माल के रूप में उचित दर पर स्लिवर की उपलब्धता, और एमएमडीए योजना के तहत सब्सिडी का समय पर भुगतान शामिल है, जिससे केवीआईसी के अध्यक्ष ने स्पिनरों-बुनकरों को समान मुद्दों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर बताया गया कि विगत वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष में रिकार्ड उत्पादन व बिक्री हुई है तथा खादी संस्थाओं को भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला आदि में भाग लेने का लाभ भी मिला है। इस वर्ष IITF ने 250 स्टालों के साथ खादी इंडिया पवेलियन का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न राज्यों से भाग लेने वाले संस्थानों द्वारा 12.06 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई। इन संस्थानों को ग्राहकों की रुचि जानने का अवसर मिला और उन्हें स्थायी रोजगार के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि बड़ी संख्या में नए और युवा लोग खादी क्षेत्र में शामिल हो रहे हैं और वे न केवल अपना उद्यम स्थापित करके आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं, बल्कि वे अन्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रहे हैं। युवा, उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने सभी खादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि वे खादी क्षेत्र में नए कार्यबल को पारंपरिक चरखों पर प्रशिक्षित करने का कार्य करें, ताकि खादी उत्पादन में नए आयाम स्थापित हों और अधिक से अधिक आय कत्तिनों, बुनकरों और किसानों के हाथों में पहुंचे।

# मधुमक्खी पालन मीठी क्रांति का माध्यम है

## मधुमक्खी पालन से जुड़कर अधिक आय अर्जित की जा सकती है:अध्यक्ष,केवीआईसी

**05 जनवरी 2023: केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि मधुमक्खी पालन मीठी क्रांति का माध्यम है, इस कार्य से जुड़कर अधिक आय अर्जित की जा सकती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश में मीठी क्रांति लाने के लिए खादी और ग्रामोद्योग प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।**

आयोग द्वारा अब तक देश भर में 17 हजार 500 हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण देकर 1 लाख 75 हजार मधुमक्खी बक्सों का वितरण किया जा चुका है। हरियाणा राज्य में 440 हितग्राहियों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण देकर 4400 बक्सों का वितरण किया गया है। श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार, खादी हनी मिशन संवाद कार्यक्रम में भाग ले रहे ग्राम देवरा, कैथल, हरियाणा में 20 मधुमक्खी पालकों को 200 मधुमक्खी बक्सों के वितरण के दौरान बोल रहे थे। गांव पहुंचने पर तहसीलदार सुदेश मेहरा व सरपंच विक्रम सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने जिला प्रशासन की ओर से सभापति का स्वागत किया।

सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि हरियाणा में मधुमक्खी पालन को विशेष बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में इस कार्य से जुड़कर ग्रामीणों को लाभ मिल सके. ग्राम देवरा में 20 मधुमक्खी पालकों को 200 मधुमक्खी पेटी उपलब्ध करायी गयी है तथा 300 मधुमक्खी पेटी जिला कैथल के ही 30 हितग्राहियों को शीघ्र ही वितरित की जायेगी।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में खादी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए काम किया जाएगा। वर्तमान परिदृश्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए क्षेत्रों में रोजगार सृजित हो रहे हैं।

उन्होंने मधुमक्खी पालन उद्योग को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह पर्यावरण हितैषी उद्योग न केवल शहद का उत्पादन करता है, जिससे उद्यमियों/किसानों

शेष पृष्ठ 33 पर

# एमएसएमई मंत्री ने गोवा एमएसएमई अधिवेशन को संबोधित किया

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री (एमएसएमई) नारायण राणे ने आज पणजी में गोवा एमएसएमई अधिवेशन को संबोधित किया। बैठक का आयोजन लघु उद्योग भारती (एलयूबी) ने व्यापार, उद्योग और वाणिज्य विभाग, गोवा सरकार के सहयोग से किया था। इस कार्यक्रम को राज्य में एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधियों का सबसे बड़ा जमावड़ा बताया गया है और यह एलयूबी के गोवा खंड की आधिकारिक शुरूआत है।

गोवा एमएसएमई अधिवेशन गोवा में एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधियों का एक सम्मेलन है, जिसका उद्देश्य नेटवर्क, संकल्प और ज्ञान साझा करने के एक मंच के रूप में कार्य करना है। दिन भर चलने वाले कार्यक्रम में 'बिजनेस प्रोसेस ऑटोमेशन' से लेकर 'ब्रांड ड्रिवन ग्रोथ' जैसे अनेक विषयों पर उद्योग के विशेषज्ञों के कई सत्र देखने को मिले। इस कार्यक्रम में, एलयूबी के गोवा खंड ने निर्यात बढ़ाने और राज्य में रोजगार पैदा करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले औद्योगिक क्लस्टर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का संकल्प व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में केन्द्रीय एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने लघु उद्योग भारती को भारतीय अर्थव्यवस्था में गतिशीलता लाने के उनके निस्वार्थ प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि स्थिर आय उत्पन्न करने के लिए एक स्थायी उद्योग राज्य की एक परम आवश्यकता है और गोवा राज्य से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस योजनाएं बनाए कि औद्योगिक गतिविधि फलफूल रही है। उन्होंने सभी हितधारकों से एक साथ काम करने और राज्य की अर्थव्यवस्था में अधिक जीवंतता पैदा करने का आह्वान किया।

उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के लिए उच्च लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। यह देखते हुए कि राज्य में लगभग 96 प्रतिशत उद्योग सूक्ष्म श्रेणी में हैं, श्री नारायण राणे ने कहा कि इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। एमएसएमई एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गहरी दिलचस्पी लेते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नियमित रूप से एमएसएमई क्षेत्र की विकास दर के बारे में अपडेट लेते रहते हैं।

सभी सूक्ष्म उद्योगों को छोटी श्रेणी में बढ़ने और सभी छोटे उद्योगों को मध्यम श्रेणी में बढ़ने की चुनौती देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा, हालांकि देश के अन्य राज्यों की तुलना में गोवा की प्रति व्यक्ति आय अधिक है, इसके नागरिकों को विकसित राष्ट्रों द्वारा प्राप्त स्तरों की बराबरी हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने राज्य में देखी गई समय की पाबंदी, ईमानदारी और अनुशासन की प्रशंसा की और गोवावासियों से इन शक्तियों को आकर्षित करने और राज्य की अर्थव्यवस्था को अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में काम करने का आग्रह

शेष पृष्ठ 29 पर

# केवीआईसी के अध्यक्ष ने मुर्शिदाबाद में खादी संस्थानों की समीक्षा की

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 11 जनवरी, 2023 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद स्थित विभिन्न खादी संस्थाओं का दौरा किया इस दौरान माननीय अध्यक्ष ने चन्द्रकला ललित मोहन रेशम खादी समिति, चाक इस्लामपुर और भारत खादी संस्थान, लाल बाग, बेरहामपुर नामक खादी संस्थानों द्वारा की जाने वाली खादी गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान, खादी संस्थानों के कारीगरों ने उन्हें कारीगर वर्कशेड दिशानिर्देशों में संशोधन कर प्रति वर्कशेड की कुल लागत 60,000 रुपये से बढ़ाकर 1,20,000 रुपये करने के लिए सामूहिक तौर पर धन्यवाद दिया, उल्लेखनीय है कि, संशोधित दिशानिर्देश व्यावहारिक और प्रभावी दृष्टिकोण पर आधारित हैं जिससे देश भर के खादी कारीगर लाभान्वित होंगे। माननीय अध्यक्ष महोदय ने कारीगरों की पेंशन योजना के लिए सहायता करने के प्रस्ताव पर कार्रवाई करने का निर्देश भी दिये ।अध्यक्ष महोदय ने वृद्धावस्था सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत प्रदान की जाने वाली न्यूनतम मासिक पेंशन का आश्वाशन भी दिया। दौरे के दौरान, अध्यक्ष महोदया ने स्फूर्ति और केआरडीपी योजना की समीक्षा की तथा इन योजनाओं के तहत मशीनरी, लूम, चरखा और सामान्य सुविधा केंद्र आदि के लिए विकसित बुनियादी ढांचे का अवलोकन कर योजना का पूरी तरह से उपयोग करने और लक्षित डीपीआर/योजना के अनुसार परिणाम सुनिश्चित करने के दिशा निर्देश दिये। आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 11 जनवरी, 2023 को पश्चिम बंगाल राज्य, खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा स्क्वेयर फील्ड, बेरहामपुर, मुर्शिदाबाद में आयोजित राज्य स्तरीय खादी, हस्तशिल्प और हथकरघा मेले के सत्कार समारोह में शिरकत की।

# केवीआईसी की पहल - अध्यक्ष ने कर्नाटक के मलावल्ली में 300 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए

प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार 18 से 21 जनवरी 2023 तक कर्नाटक के चार दिन के दौरे पर हैं। इस क्षेत्र में अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने पहले दिन केवीआईसी द्वारा लागू "हनी मिशन" कार्यक्रम के अंतर्गत उपकरण और मधुमक्खी कालोनियों सहित 300 मधुमक्खी बक्से वितरित किये और ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत कुम्हार के काम में लगे लोगों के कौशल उन्नयन के लिए इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मलावल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में 40 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

श्री मनोज कुमार ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवीआईसी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने के प्रयास में अपनी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, विशेषकर गांवों और पर्वतीय सीमावर्ती क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे लाखों सूत कातने वाले लोग आत्मसम्मान के साथ चरखे पर कताई कर रहे हैं और अपने परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। इससे उनमें आत्मनिर्भर बढ़ रही है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने यह भी दोहराया कि

शेष पृष्ठ 19 पर

# शहद मिशन कार्यक्रम की आरई-एचएबी परियोजना के माध्यम से केवीआईसी का उद्देश्य मानव और किसानों की फसलों पर हाथियों के हमलों को कम करना है

**19, जनवरी 2023:केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ स्थित सुलिया में प्रशिक्षित लाभार्थियों को जीवंत मधुमक्खी कालोनियों, मधुमक्खी पालन उपकरण और 200 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए। आरई-एचएबी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शहद मिशन कार्यक्रम के तहत एक पहल है।**

आरई-एचएबी परियोजना के तहत हाथियों के मानव आवासों में उनके प्रवेश को रोकने के लिए उनके मार्ग में मधुमक्खियों के बक्सों को स्थापित करके "मधुमक्खी-बाड़ें" बनाई जाती हैं। इन बक्सों को एक तार से जोड़ा जाता है, जिससे हाथियों के झुण्ड का वहां से गुजरने का प्रयास करने पर एक खिंचाव के कारण मधुमक्खियां हाथियों के बीच में आ जाती हैं और उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं।

यह जानवरों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना मानव-पशु टकराव को कम करने का एक सस्ता तरीका है। यह वैज्ञानिक रूप से दर्ज किया गया है कि हाथी मधुमक्खियों के झुण्ड से डरते हैं, जो उनके सूंड और आंखों के संवेदनशील अंदरूनी हिस्से को काट सकती हैं। मधुमक्खियों की सामूहिक भनभनाहट हाथियों को परेशान करती है, जो उन्हें वापस लौटने पर मजबूर कर देती है।

इस अवसर पर श्री मनोज कुमार ने कहा, "यह देखा गया कि मधुमक्खियाँ किसानों को उनके कृषि क्षेत्रों में हाथियों के

# केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा जीवंत मधुमक्खी कालोनियों, मधुमक्खी पालन उपकरण और 200 मधुमक्खी-बक्से वितरित

अतिक्रमण को रोकने और उन्हें नष्ट करने में मदद करती हैं। इतना ही नहीं, उस स्थिति में कुछ कीमती जानें भी चली जाती हैं। इसके लिए केवीआईसी ने एक पहल के रूप में कोडागु जिले के पोन्नमपेट स्थित वानिकी कॉलेज की तकनीकी सहायता से एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की और इसके परिणाम उत्साहजनक रहे। इसे देखते हुए कर्नाटक के अलावा असम, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तराखंड जैसे अति वांछित राज्यों में ऐसी 6 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।"

आरई-एचएबी के तहत किसानों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा हाथियों को खेतों में घुसने से रोकने के लिए इनमें से हर एक किसान को हाथी गलियारों में लगाने के लिए 10 मधुमक्खी बक्से दिए जाते हैं। पोन्नमपेट में इस प्रायोगिक परियोजना के बहुत अच्छे परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना ने बढ़े हुए परागण और शहद की मात्रा के कारण कृषि उत्पादन बढ़ाने में भी सहायता की है।

इसके अलावा आयोग के अध्यक्ष ने किसानों को इससे दीर्घकालिक लाभ प्राप्त करने पर जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने केवीआईसी की पीएमईजीपी योजना के बारे में भी जानकारी साझा की। श्री मनोज कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इसके लिए ऋण सीमा को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया है और महिलाओं व ग्रामीण युवाओं को इस योजना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

# केवीआईसी के अध्यक्ष ने हुबली में पीएमईजीपी के तहत 5046 लाभार्थियों को मार्जिन मनी सब्सिडी जारी की

**20 जनवरी 2023:खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कर्नाटक के अपने दौरे के तीसरे दिन हुबली में ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया और वर्चुअल माध्यम से पीएमईजीपी इकाइयों को मार्जिन मनी का वितरण किया।**

केवीआईसी केअध्यक्ष ने पीएमईजीपी योजना के तहत नए सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए 488 करोड़ रुपये के कुल बैंक ऋण के साथ पूर्व और दक्षिण क्षेत्र के राज्यों के 5046 लाभार्थियों को 165 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी भी जारी की, जिससे 40000 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इन क्षेत्रों में "खादी विकास योजना" के खादी कारीगरों के लिए वर्कशेड योजना के तहत खादी कारीगरों को वित्तीय सहायता भी आयोग के श्री अध्यक्ष मनोज कुमार द्वारा अनुमोदित की गई। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं के लिए और एमएस रूफ ट्रस वर्क का शुभारंभ किया।

आयोग का केन्द्रीय कुम्हारी उद्योग संस्थान, खानापुर न केवल दक्षिण भारत में बल्कि पूरे देश में सबसे अच्छे पॉटरी प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है। इस दौरान उन्होंने पीएमईजीपी और स्फूर्ति क्लस्टर के हितग्राहियों से चर्चा की। इसी दिन, धारवाड़ क्षेत्रों के खादी संस्थानों के साथ एक खादी संवाद आयोजित किया गया और अध्यक्ष ने

**शेष पृष्ठ 22 पर**

# पीएमईजीपी योजना के तहत 3223 लाभार्थियों के बीच 100.29 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी वितरित, 26000 नए रोजगार सृजित

**25 जनवरी 2023: खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने आज वाराणसी में केवीआईसी द्वारा लागू प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के 3223 लाभार्थियों को 100.29 करोड़ रुपये का मार्जिन मनी अनुदान जारी किया।**

इस अवसर पर श्री रवींद्र जायसवाल, राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, डॉ सुनील पटेल, विधायक (रोहनिया), श्री नागेंद्र रघुवंशी, सदस्य केवीआईसी, विभिन्न बैंकों और अन्य विभागों के प्रतिनिधि और अधिकारीउपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बहुत कम लागत पर दूरदराज के क्षेत्रों में कारीगरों के लिए उनके दरवाजे पर रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है।

श्री मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी की ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत कुम्हार सशक्तिकरण योजना, एवं हनी मिशन, आकर्षण कारीगर सशक्तिकरण योजना, अगरबत्ती बनाना, हस्तनिर्मित कागज जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्नत प्रशिक्षण और टूल किट प्रदान करके अधिक से अधिक कारीगरों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार करने का

शेष पृष्ठ 31 पर

## केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कैबिनेट मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के साथ एक अनौपचारिक बैठक की, जिसमें कर्नाटक के 14 जिलों में केवीआईसी योजना को लागू करने पर गहन चर्चा हुई।

पृष्ठ 14 से आगे.....

केवीआईसी अपने अनेक प्रयासों के माध्यम से देश में अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षित लाभार्थियों को मधुमक्खी बक्से, मशीन तथा और मधुमक्खी कॉलोनी के वितरण से रोजगार के नए साधन विकसित होंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लघु एवं मध्यम उद्योग को प्रारंभ करके और नौकरी चाहने वालों की जगह 'नौकरी प्रदाता' बनने के विजन पर जोर दिया।

श्री मनोज कुमार ने देश में पीएमईजीपी इकाइयों के माध्यम से उद्यम स्थापित करने के बारे में विवरण साझा किया। उन्होंने कहा कि मेन्यूफैक्चरिंग उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा मेन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र के अंतर्गत इकाई लगाने की अधिकतम लागत भी 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दी गई है। इससे पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत नए उद्यम स्थापित करने को प्रोत्साहन मिलेगा।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि मलावल्ली और देश के अन्य भागों जैसे क्षेत्रों में परियोजना आरई-एचएबी लागू की गई है और मधुमक्खी के छत्ते हाथियों के

शेष पृष्ठ 35 पर

# आयोग के मुंबई मुख्यालय में खादी उत्सव 2023 का उद्घाटन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने मुंबई स्थित केवीआईसी मुख्यालय में खादी उत्सव- 23 का शुभारंभ किया। उद्घाटन अवसर पर केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनीत कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। खादी उत्सव 27 जनवरी से शुरू होकर 24 फरवरी, 2023 तक चला।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने मुंबई स्थित केवीआईसी मुख्यालय में खादी उत्सव- 23 का शुभारंभ किया। उद्घाटन अवसर पर केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनीत कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। खादी उत्सव 27 जनवरी से शुरू होकर 24 फरवरी, 2023 तक चलेगा।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री कुमार ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग को इस देश के सबसे पिछड़े तथा गरीब लोगों को आजीविका उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि खादी उत्सव जैसे कार्यक्रम और प्रदर्शनियां खादी संस्थानों, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम- पीएमईजीपी और पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन एवं पुनर्निर्माण के लिए कोष की योजना- स्फूर्ति के तहत हजारों कारीगरों के उत्पादों को सीधे ग्राहकों के हाथों में बेचने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। श्री कुमार ने देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ विदेशों में भी इस तरह के आयोजनों को बड़ी संख्या में आयोजित करने पर जोर दिया।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की जनता से खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को खरीदने के आह्वान के बाद उनकी बिक्री में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है। श्री मनोज कुमार ने देश से अपील करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण "वोकल फॉर लोकल एंड लोकल टू ग्लोबल" वाले

स्वप्न को वास्तव में पूरा करने के लिए आगे आएं। अध्यक्ष ने केवीआईसी के अधिकारियों व कर्मचारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब जनों के उत्थान की जिम्मेदारी निभाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नवंबर माह में दिल्ली में आयोजित आईआईटीएफ-2022 में अब तक की सर्वाधिक 12 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री होना इसका जीता जागता उदाहरण है। केवीआईसी के अध्यक्ष ने बताया कि इस साल 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी इंडिया के दिल्ली विक्रय केंद्र ने एक बार फिर एक ही दिन में 1.34 करोड़ रुपये की खादी उत्पाद बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष खादी और ग्रामोद्योग से निर्मित उत्पादों की रिकॉर्ड एक लाख पंद्रह हजार करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी। इसके अलावा, अक्टूबर के महीने में आयोजित खादी उत्सव-2022 में 3.03 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने सभी से खादी उत्सव का व्यापक प्रचार करने तथा देश के गरीब सूत कातने वालों, बुनकरों, महिलाओं एवं कारीगरों के लिए सम्मानजनक तरीके से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खादी और ग्रामोद्योग से उत्पादित वस्तुओं की खरीदारी करने की अपील की। उन्होंने नगालैंड की खादी बुनकर सुश्री निहुनुओ सोरही को उनके पद्म श्री पुरस्कार और संत कबीर पुरस्कार मिलने तथा पद्म श्री से ही सम्मानित केरल के अनुभवी खादी श्री वी पी

अप्पुकुट्टन पोडुवल को बधाई दी।

इस खादी उत्सव में, खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थान तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग से संबद्ध देश के विभिन्न हिस्सों से आने वली पीएमईजीपी इकाइयां अपने उत्पादों को प्रदर्शन व बिक्री के लिए प्रदर्शित कर रही हैं। इनमें सूती खादी के अलावा खादी

सिल्क, पश्मीना, पॉली वस्त्रा, पटोला सिल्क, कलमकारी साड़ी, कांजीवरम सिल्क, हल्के भार वली सॉफ्ट सिल्क साड़ी, टसर सिल्क, फुलकारी ड्रेस सामग्री और खादी के कपड़े से बने अन्य आकर्षक परिधान, मधुबनी प्रिंट, सूखे मेवे, चाय, कहवा, सौंदर्य के हर्बल व आयुर्वेदिक उत्पाद, शहद पदार्थ, हस्त कागज उत्पाद, गृह सज्जा उत्पाद, बांस उत्पाद, कालीन, एलोवेरा उत्पाद, चमड़े के उत्पाद तथा कई अन्य खादी और ग्रामोद्योग उत्पाद उपलब्ध हैं।

पृष्ठ 17 से आगे.....

आश्वासन दिया कि केवीआईसी इन संस्थानों द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों का समर्थन करना जारी रखेगा।

इससे पहले, श्री मनोज कुमार ने कर्नाटक के शिमोगा जिले के निसरानी गांव में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह के दौरान जिले के किसानों के बीच बड़ी संख्या में मधुमक्खियों के बक्सों का वितरण किया। इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है और इसलिए केवीआईसी 'हनी मिशन' के तहत इस दिशा में लगातार काम कर रहा है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि यह देश को शहद उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का एक मकसद है और श्री

मनोज कुमार ने जोर देकर कहा "हम चाहते हैं कि हमारा देश शहद उत्पादन में आत्मनिर्भर बने। वर्तमान में, हम दुनिया में शहद के चौथे सबसे बड़े उत्पादक हैं, लेकिन आने वाले समय में हम शहद के नंबर एक उत्पादक बनना चाहते हैं और इसके लिए हम ये सभी प्रयास कर रहे हैं।"

# कच्छ के रण में फहराया हमारे देश का गौरव, खादी से बना हमारा राष्ट्रीय ध्वज

आगे कई अन्य उदाहरणों की इस पहली घटना पर गर्व हुए, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार और टीम के अन्य सदस्यों ने कच्छ के रन में बीएसएफ इंडिया का दौरा किया, हमारे राष्ट्र का गौरव फहराया, खादी से बना हमारा राष्ट्रीय ध्वज, कच्छ, गुजरात में बीएसएफ द्वारा आयोजित एक ऐसा ही असाधारण और उल्लेखनीय कार्यक्रम था। केवीआईसी लोगों और हमारे राष्ट्र की सेवा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए अपने बहादुरों को सलाम करता है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे के साथ 9 जनवरी, 2023 को बांग्लादेश के साथ लगी अगरतला-अखौरा सीमा पर बीटिंग रिट्रीट समारोह देखा।

कैथल, हरियाणा की अपनी यात्रा के दौरान, श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने पीएमईजीपी ग्लास यूनिट का भी दौरा किया। यह पीएमईजीपी इकाई भारत को आत्मनिर्भर बनाने में माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भर की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है।

केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष, से उनके दिल्ली कार्यालय में, 3 जनवरी, 2023 को ओड़ीशा राज्य की खादी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण ने मुलाकात की।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे के साथ अगरतला में केवीआईसी और टीकेवीआईबी परिसर का उद्घाटन करने के लिए 9 जनवरी, 2023 को नीरमहल का दौरा किया।

# पश्चिम बंगाल की खादी संस्थाओं के साथ खादी संवाद

प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और आत्मनिर्भर भारत की उनकी पहल के तहत, केवीआईसी ने 11 जनवरी, 2023 को पश्चिम बंगाल के खादी संस्थानों के साथ खादी संवाद का आयोजन किया, जिसमें उनके मुद्दों को जानने और समझने और उन्हें हल करने के लिए केवीआईसी के अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल के ५० से अधिक खादी संस्थानों और केवीआईसी, एमएसएमई मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

पश्चिम बंगाल में खादी कार्यक्रमों की संभावनाओं पर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। खादी संस्थाओं को प्रगति का आश्वासन दिया गया था। नई खादी संस्था के तहत रोजगार सृजन के संदर्भ में प्रतिभागियों में जोश भर गया, कारीगरों की जनगणना और पहचान पत्र जारी करने और अन्य गहन पहलुओं पर चर्चा की गई और माननीय अध्यक्ष ने खादी कारीगरों के कल्याण गतिविधियों पर काम करने का वादा किया।

# केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा पश्चिम बंगाल के खादी संस्थानों का दौरा

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 11.02.2023 को मुर्शिदाबाद में पश्चिम बंगाल के खादी संस्थानों का दौरा किया और खादी संस्थानों द्वारा की जाने वाली खादी गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने भारत खादी सेवक संघ से शुरुआत की, जहां सिल्क और कॉटन खादी का काम होता है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 11 जनवरी, 2023 को चंद्रकांता ललित मोहन संस्था का दौरा किया, जहां उन्होंने सूती खादी और रेशम खादी दोनों के लिए एक साथ काम करने वाले कारीगरों के साथ बातचीत की और खुद को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण देखा।

## आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा प्रदर्शिनी में प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनीत कुमार ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति हब के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और आयोजित प्रदर्शिनी में प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया

# एमएसएमई मंत्री ने पूर्वोत्तर में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका और भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने में उनके योगदान पर जोर दिया

**09 जनवरी 2023: केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा के साथ 'पूर्वोत्तर क्षेत्र में एमएसएमई के सतत विकास पर क्षेत्रीय सम्मेलन' की अध्यक्षता की। एनईआर)' आज अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित किया गया।**

मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए MSME मंत्रालय द्वारा सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री नारायणराणे ने पूर्वोत्तर में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका और भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने में उनके योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा कृषि उत्पादों की भूमि है और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में एमएसएमई के लिए काफी संभावनाएं हैं और त्रिपुरा सरकार को मौजूदा उद्योगों को मजबूत करते हुए एमएसएमई के लिए पर्यटन के अधिक अवसर विकसित करने की सलाह दी।

राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने उद्यमियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा की राज्य सरकार ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ईमानदारी और समर्पित प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि दोनों मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए एक बेहतर इको-सिस्टम तैयार होगा।

सम्मेलन ने एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार और त्रिपुरा राज्य सरकार की विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शुरू की गई नई पहल RAMP (MSME प्रदर्शन को बढ़ाना और तेज करना) पोर्टल, उद्योग शक्ति के तहत NER पोर्टल को जोड़ना, गोमती सिटी गैस परियोजना का उद्घाटन, SFURTI योजना के तहत पश्चिम त्रिपुरा बांस मैट क्लस्टर का उद्घाटन और नए का उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग और त्रिपुरा खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड का भवन। सम्मेलन ने अपनी विभिन्न गतिविधियों जैसे वीडीपी, सीईओ सम्मेलन आदि के माध्यम से एनईआर के इच्छुक/मौजूदा उद्यमियों को केंद्र और राज्य सरकारों, सीपीएसई और उद्योग संघों के सरकारी विभागों के साथ बातचीत करने के लिए एक बहुत ही आवश्यक मंच प्रदान किया।

रोजगार सृजन और आजीविका में सुधार के मामले में एमएसएमई क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान में, इसमें 6 करोड़ से अधिक इकाइयां शामिल हैं जो 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं, जो सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30% योगदान के साथ आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

हमारी अर्थव्यवस्था पर एमएसएमई के प्रभाव को देखते हुए, यह जरूरी है कि युवाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए केंद्रित प्रयास किए जाएं जहां वे 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था का एहसास करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एक अभिन्न भूमिका निभाएं।

एमएसएमई क्षेत्र का पोषण राष्ट्र की आर्थिक भलाई के लिए महत्वपूर्ण है। एम/ओ एमएसएमई निरंतर विकास के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाने और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में संगत बनने के लिए लगातार काम कर रहा है।

पृष्ठ 12 से आगे.....

किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को यह सोचना चाहिए कि वे भारत के विकास में कैसे योगदान दे सकते हैं जिससे देश को बाकी दुनिया के लिए एक चमकते उदाहरण के रूप में उभरने में मदद मिले।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे को उनकी सलाह और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई सभी विभिन्न योजनाओं और प्रोत्साहनों का उपयोग करें और अपने व्यवसाय और गोवा की अर्थव्यवस्था दोनों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने गोवा की पर्यटन पर निर्भरता को कम करने और उसके आर्थिक आधार में विविधता लाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तभी स्वयंपूर्ण गोवा का लक्ष्य और उसके माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हकीकत में बदला जा सकता है।

इस अवसर पर एलयूबी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवींद्र सोनवणे, पंजाब नेशनल बैंक के कार्यकारी निदेशक विजय दुबे और बीएसई इंडिया में स्टार्टअप और एसएमई के प्रमुख अजय ठाकुर भी उपस्थित थे।

# राष्ट्र के 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने केंद्रीय कार्यालय, मुंबई में बहुत गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 12 जनवरी, 2023 को विभागीय खादी इंडिया बिक्री केन्द्र (खादी ग्रामोद्योग भवन), कोलकाता का दौरा किया और सेल्स आउटलेट के कामकाज को देखा।

9 जनवरी को केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने अगरतला में उत्तर-पूर्व में सतत एमएसएमई पर क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान प्रज्ञा भवन में पीएमईजीपी इकाइयों का निरीक्षण किया।

पृष्ठ 18 से आगे.....

## पीएमईजीपी योजना के तहत 3223 लाभार्थियों के बीच 100.29 करोड़ रुपये.....

प्रयास किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय ने यह भी राय व्यक्त की कि वर्ष 2021-22 तक पीएमईजीपी के तहत 7.84 लाख इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं, जिनके माध्यम से लगभग 63 लाख लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। और आज मार्जिन मनी अनुदान राशि रु. 3223 लाभार्थियों को 100.29 करोड़। उन्होंने लाभार्थियों को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए इकाइयों को सफलतापूर्वक चलाने के लिए प्रेरित किया।

इससे पहले, अध्यक्ष ने वाराणसी में प्रधान मंत्री द्वारा गोद लिए गए जयापुर गांव का भी दौरा किया और चल रही खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों को देखने के बाद खादी गतिविधियों में लगे खादी कारीगरों के साथ मुद्दों पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार का प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस योजना के तहत कोई भी उद्यमी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 50 लाख रुपए तक और सर्विस सेक्टर में 20 लाख रुपए तक की यूनिट लगा सकता है। इन इकाइयों की स्थापना हेतु सम्पूर्ण परियोजना लागत का 15% से 25% शहरी क्षेत्रों में हितग्राहियों को तथा 25% से 35% भारत सरकार द्वारा अनुदान के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रदान किया जाता है। साथ ही हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति उपरांत स्थापित उद्यमी बनाने के लिए नि:शुल्क उद्यमिता विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

पीएमईजीपी के तहत आज जारी मार्जिन मनी के रूप में कुल 100.29 करोड़ रुपये में उत्तर प्रदेश में 1829 लाभार्थियों को 59.06 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश में 856 लाभार्थियों को 25.45 करोड़ रुपये, छत्तीसगढ़ में 278 लाभार्थियों को 09.30 करोड़ रुपये और छत्तीसगढ़ में 278 करोड़ रुपये शामिल हैं। उत्तराखंड में 260 हितग्राहियों को 9.30 करोड़। विभिन्न बैंकों द्वारा इन हितग्राहियों को कुल 299.94 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है।

**12 जनवरी, 2023 को माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी श्री मनोज कुमार ने बेरहामपुर में पश्चिम बंगाल केआईवीबी द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कारीगरों के प्रयासों और उनके विस्तृत कार्यों को देखकर खादी संस्थाओं के करीगरों एवं पीएमईजीपी उद्यमियों के सराहना की।**

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 12.01.2023 को तमुलपुर अंचल ग्रामदान संघ, कुमारिकाता का दौरा किया। उसने 26 सूत कातने वालों और बुनकरों के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की थी जो कभी आतंकवादी गतिविधियों का हिस्सा थे। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में उनकी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का अवलोकन किया।

## केवीआईसी के अध्यक्ष ने बारपेटा में अनोवर बारबेट उद्योग का दौरा

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने बारपेटा में अनोवर बारबेट उद्योग का दौरा किया। उन्होंने इकाई में पीएमईजीपी कारीगरों द्वारा किए गए अभिनव कार्यों की सराहना की। पीएमईजीपी योजना ने रायपुर, बालाभिता, असम के क्षेत्र में सहकारी बांस क्लस्टर के तहत 4 गांवों में बांस द्वारा कारीगरी का काम करने वाले लगभग 100 लाभार्थियों को सहायता प्रदान की; रायपुर गन्ना एवं बांस सहकारी समिति के नाम से जाना जाता है।

इस पहल की क्षमता को देखते हुए, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 15 जनवरी, 2023 को बांस स्फूर्ति क्लस्टर तैयार करने के लिए केवीआईसी के माध्यम से स्फूर्ति योजना के तहत समाज को लाभ देने का आश्वासन दिया।

असम राज्य में अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 16 जनवरी, 2023 को पीएमईजीपी लाभार्थी इकाई, दुलाल बेंत और बांस उद्योग का भी दौरा किया। उन्होंने इकाई में कारीगरों के काम की सराहना की।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने अपने असम राज्य के दौरे के दौरान कंप्यूटर और अगरबत्ती प्रशिक्षुओं के साथ भी बातचीत की।

# खादी इंडिया ने गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लिया

खादी इंडिया ने पहली बार 13 जनवरी, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लिया।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए काम करने वाले लोगों के प्रयासों की सराहना की।

पृष्ठ 11 से आगे.....

को आय होती है, बल्कि परागकणों से फसल की उत्पादकता में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है। मधुमक्खियों द्वारा फैल गया। इस प्रकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस मिशन से निश्चित रूप से किसानों की आय में सापेक्षिक वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में जिला भिवानी एवं जिला सिरसा तथा उसके बाद हरियाणा राज्य के अन्य जिलों में भी मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षण देकर मधुमक्खी पालन के बक्सों का वितरण कर मधुमक्खी पालन उद्योग को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है।

इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज कुमार ने हितग्राहियों एवं अन्य उपस्थित लोगों से बातचीत की और उनसे सुझाव भी लिए. कार्यक्रम के बाद आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने खादी और ग्रामोद्योग उद्यमों का दौरा किया और पीएमईजीपी इकाइयों के लाभार्थियों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत स्थापित इकाइयों का भी दौरा किया और लाभार्थियों से चर्चा की।

इस अवसर पर आयोग के राज्य निदेशक प्रथम जवाहर, तहसीलदार सुदेश मेहरा, नायब तहसीलदार आशीष, सरपंच विक्रम सिंह, चंद्रभान देवरा, हिसाम सिंह, लाभ सिंह सहित आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के सतत विकास पर क्षेत्रीय सम्मेलन का अगरतला, त्रिपुरा में आयोजन

**केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री श्री नारायण राणे, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा के साथ 9 जनवरी 2023 को अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित 'पूर्वोत्तर क्षेत्र में एमएसएमई के सतत विकास पर क्षेत्रीय सम्मेलन' की अध्यक्षता की।**

एमएसएमई मंत्रालय द्वारा इस सम्मेलन का आयोजन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया। इस सम्मेलन में एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार और त्रिपुरा राज्य सरकार की विभिन्न पहलों की शुरूआत के बारे में प्रदर्शन किया गया। आरएएमपी (एमएसएमई के कार्य प्रदर्शन को बढ़ाना और तेजी लाना) का शुभारंभ, उद्यम शक्ति के तहत एनईआर पोर्टल को जोड़ना, गोमती सिटी गैस परियोजना का उद्घाटन, स्फूर्ति (एसएफयूआरटीआई) योजना के तहत वेस्ट त्रिपुरा बम्बू मैट क्लस्टर का उद्घाटन और केवीआईसी तथा टीकेवीआईबी के नए भवन का उद्घाटन ऐसी कुछ गतिविधियां है जिनकी सम्मेलन के लिए योजना बनाई गई है। यह सम्मेलन भारत में एमएसएमई के विकास की दिशा में लगातार काम कर रहे केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों, केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम और उद्योग संघों के साथ इच्छुक/मौजूदा उद्यमियों को बातचीत करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराएगा।

अगरतला में मीडिया को जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उस समावेशी विकास के बारे में विस्तृत विवरण दिया, जिन्हे यह मंत्रालय समाज के हर वर्ग के लिए विभिन्न उपायों के माध्यम से एमएसएमई को देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं को लागू करता है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने अनेक पहल की हैं। "पूर्वोत्तर और सिक्किम में एमएसएमई को प्रोत्साहन" एक समर्पित योजना है, जो एमएसएमई के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है। अब तक 140 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत 1.14 लाख सूक्ष्म इकाइयों को सहायता दी गई है जिससे 7.6 लाख रोजगार जुटाए गए हैं। एमएसएमई क्लस्टर विकास कार्यक्रम ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक 29 परियोजनाओं को पूरा किया है, जिसके लिए सरकार ने 135.45 करोड़ रुपये जारी किए हैं। स्थानीय कारीगरों को लाभान्वित करने वाले कुल 85 क्लस्टरों को "स्फूर्ति" के तहत अनुमोदित किया गया है। अब तक पूर्वोत्तर के 2.7 लाख उद्यमों ने 23 लाख लोगों को रोजगार देते हुए उद्यम पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया है।

हमारी अर्थव्यवस्था पर एमएसएमई के प्रभाव को देखते हुए यह बहुत जरूरी हो गया है कि युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने और एक अनुकूल इको-सिस्टम का निर्माण करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए, जहां वे 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था को साकार करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

एमएसएमई क्षेत्र का पोषण राष्ट्र की आर्थिक भलाई के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। एमएसएमई मंत्रालय सतत विकास के लिए एमएसएमई को सशक्त और वैश्विक मूल्य श्रृंखला को सुसंगत बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। यह सम्मेलन त्रिपुरा और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के एमएसएमई को नए विचारों को शामिल करते हुए उनके विकास क्षितिज का विस्तार करने में सहायता प्रदान करेगा क्योंकि इससे वे सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों से अच्छी तरह अवगत हो जाएंगे।

**खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने ग्राम देवरा में हनी मिशन के तहत मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी बक्से वितरित किए।**

## प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी के बक्से, उपकरण और मधुमक्खी कालोनियों का वितरण

बेंगलुरु : माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन- प्रतिष्ठित हनी मिशन के तहत 19.01.2023 को कर्नाटक के मांड्या जिले के मालवल्ली में केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार द्वारा प्रशिक्षुओं को मधुमक्खी के बक्से, उपकरण और मधुमक्खी कालोनियों का वितरण किया गया।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने पीएमईजीपी योजना के तहत पीएमईजीपी सब्सिडी के साथ-साथ सफल प्रतिभागियों को ईडीपी प्रशिक्षण के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए।

पृष्ठ 19 से आगे.....

नियमित मार्गों पर रखे गए हैं ताकि यह फ्लडगेट के रूप में कार्य करे और हाथियों के हमलों के कारण होने वाली मानव मृत्यु को रोके। इसके सफल परिणाम मिले हैं।

उन्होंने कहा कि केवीआईसी ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कर्नाटक में "हनी मिशन" कार्यक्रम के तहत 80 मधुमक्खी पालकों को 800 मधुमक्खी-बक्से, उपकरण तथा मधुमक्खी कालोनियों का वितरण किया है। इसके अतिरिक्त केवीआईसी ने "कुम्हार सशक्तीकरण योजना" के अंतर्गत कुम्हारों को 100 इलेक्ट्रिक व्हील और चमड़ा उद्योग कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित चमड़ा कारखाना कारीगरों को 201 टूल किट वितरित किए। पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत 5864 इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिनके माध्यम से 46,912 लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए और लगभग 157.74 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई है। ●●

# प्रेस कवरेज/ सोशल मीडिया

नवभारत

## विलेपार्ले में खादी उत्सव 2023 का हुआ शुभारंभ

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) का 'खादी उत्सव-2023' विलेपार्ले (प.) स्थित केवीआईसी मुख्यालय में 24 फरवरी 2023 तक चलेगा. आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार, आयोग के सीईओ विनीत कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में खादी उत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि खादी फेस्ट जैसे कार्यक्रम और प्रदर्शनियां खादी संस्थानों, पीएमईजीपी और स्फूर्ति इकाइयों को हजारों कारीगरों के उत्पादों को सीधे ग्राहकों के हाथों में बेचने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं.

**प्रधानमंत्री के आह्वान से बिक्री में तेजी**

मनोज कुमार ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में उन्हें केवीआईसीआई को देश के सबसे पिछड़े और गरीब लोगों को आजीविका प्रदान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की जनता से खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों को खरीदने के आह्वान के बाद उनकी बिक्री में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि हुई है. नवंबर माह में दिल्ली में आयोजित आईआईटीएफ-2022 में अब तक की सर्वाधिक 12 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री इसका बड़ा उदाहरण है. कुमार ने सभी से खादी उत्सव का व्यापक प्रचार करने और देश के बुनकरों, महिलाओं और कारीगरों की सम्मानजनक कमाई के लिए खादी की वस्तुओं की खरीद करने की अपील की.

खादी आणि ग्रामोद्योग उत्सवाचे उद्घाटन

## खादी उत्सवाचे उद्घाटन

■ मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. खादी आणि ग्रामोद्योग आयोगचा 'खादी उत्सव' विलेपार्ले (प.) येथील केव्हीआयसी मुख्यालयात २४ फेब्रुवारीपर्यंत चालेल. सीईओ विनीत कुमार आणि इतर वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या उपस्थितीत 'खादी उत्सवा'चे उद्घाटन करताना आयोगाचे अध्यक्ष मनोज कुमार म्हणाले की, खादी महोत्सवासारखे कार्यक्रम आणि प्रदर्शने खादी संस्था, पीएमईजीपी आणि स्फुर्ती युनिट्सना हजारो कारागिरांची उत्पादने थेट हातात आणण्यास मदत करतील.

मनोज कुमार म्हणाले की, केव्हीआयसीआयवर देशातील सर्वात मागासलेल्या आणि गरीब लोकांना उपजीविका देण्याची जबाबदारी सोपवण्यात आली आहे. पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी देशातील जनतेला खादी आणि ग्रामोद्योग उत्पादने खरेदी करण्याचे आवाहन केल्यानंतर त्यांच्या विक्रीत अनपेक्षितपणे वाढ झाली आहे. सर्वाधिक १२ कोटी रुपयांची विक्री हे याचे उत्तम उदाहरण आहे.

Kvic Hub
Just now

Distribution of Bee boxes to the Beekeepers under Honey Mission Programme. The programme was scheduled at Sirsi, Uttara Kannada. Dr. Nune Sreenivas Rao, Director, DO, KVIC, Hubli distributed the Bee Boxes to the bee keepers, in a function held at Sirsi, on today where in Shri. G. Rajanna, Asst. Director (EcR) and Shri. Ramadas, Asst., Director II (VI) were attended.

Kvic Hubballi
1 minute ago

Bees are essential for the health of people and the planet. Honey and other products have medicinal properties, and the role of bees as pollinators makes them vital for food supplies.

Photograph taken during the distribution of bee boxes to the Beekeepers under Honey Mission Programme, at Sirsi, in Uttarakannada District held on today.

Let the Sweet Revolution under Honey Mission Programme makes the Bee keepers self reliant